

## त्रिपुरा माताबारी पेरा और पचरा को प्राप्त हुआ GI टैग

**स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस**

त्रिपुरा के मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि राज्यों की दो पारंपरिक वस्तुओं, **माताबारी पेरा और पचरा** को **भौगोलिक संकेत (GI) टैग** से सम्मानित किया गया है, जो स्थानीय कारीगरों और बुनकरों के लिये एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

- त्रिपुरासुंदरी मंदिर में प्रसाद के रूप में काम आने वाली **डेयरी आधारित मषिठान्न दुकान माताबारी पेरा** और स्वदेशी समुदायों द्वारा प्रयोग किया जाने वाला **हाथ से बुना कपड़ा पचरा को प्रतष्ठिति GI टैग** प्रदान किया गया है।
  - GI टैग **अनधिकृत नकल अथवा उत्पाद के दुरुपयोग के वरिद्ध कानूनी सुरक्षा सुनिश्चित** करता है और साथ ही इसकी प्रामाणिकता की रक्षा भी करता है तथा इससे जुड़ी सांस्कृतिक वरिसत को संरक्षित करता है।
  - यह मान्यता इसके उत्पादन में शामिल स्थानीय समुदायों के लिये आर्थिक अवसरों को बढ़ावा देते हुए, घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बाज़ार पहुँच एवं प्रचार की सुविधा भी प्रदान करती है।
- **त्रिपुरा की प्रतष्ठिति रानी अनानास** को पहले पूर्वोत्तर के 13 अन्य उत्पादों के साथ GI टैग से सम्मानित किया गया था, जो क्षेत्र की विविध तथा अनूठी पेशकशों को उजागर करता है।



और पढ़ें... [17 से अधिक उत्पादों के लिये GI टैग](#)